वर्ष-9 | अंक 44 | भोपाल, 23 जून से 29 जून 2025 तक | पृष्ठ-12 | MPHIN/2015/63623

साप्ताहिक

न्यूज क्राइम फाइल

मूल्य- 02 रूपयें

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

जवानों और अन्न पैदा करने वाले किसानों के सम्मान के लिए काम कर रही है प्रदेश सरकार : मुख्यमंत्री

दीवाली से लाड़ली बहनों को हर माह मिलेंगे 1500 रुपए

उदय प्रताप सिंह चौहान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार देश की सीमा पर जान की बाजी लगाने वाले और सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों तथा खेतों में कड़ी मेहनत कर अन्न पैदा करने वाले किसानों के सम्मान के लिए काम कर रही है। हमारी सरकार कमजोर और गरीब वर्ग की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव खरगोन जिले के बेड़िया में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्मदा घाटी विकास विभाग के अंतर्गत अम्बा-रोडिया माइक्रो उदवहन सिंचाई योजना का लोकार्पण सहित 266 करोड़ रुपए की लागत के 24 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी किया। उन्होंने सिकलसेल के मरीजों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृति के प्रमाण-पत्र तथा हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर तरक्की कर रहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर तरक्की कर रहा है और विश्व में देश का नाम हो रहा है। हमारी सरकार किसानों, महिलाओं, गरीबों और युवाओं की जिंदगी बदलने और उन्हें खुशहाल बनाने का काम कर रही है। निमाड़ क्षेत्र में मां नर्मदा का पानी खेतों तक पहुंचाया जा रहा है और इससे खेतों में फसले लहलहा रही हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किसानों को सम्मान निधि देने की योजना बनाई है और किसानों को इसका लाभ भी मिल रहा है। मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य है जहां गेहूं पर किसानों को प्रति क्विंटल 2600 रुपए दिए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार कृषि को प्रोत्साहन दे रही है और किसानों को उद्यमी बनने के लिए काम कर रही है। प्रदेश सरकार कपास से धागा बनाने, उससे कपड़ा बनाने और रेडीमेड गारमेंट की फैक्ट्री लगाने का अभियान चला रही है। प्रदेश सरकार सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी काम कर रही है और किसानों को अनुदान पर सोलर पैनल कनेक्शन दिया जाएगा इससे

किसानों की आय बढ़ेगी और वह अपने संयंत्र में पैदा होने वाली अतिरिक्त बिजली प्रदेश सरकार को बेच भी सकेंगे। प्रदेश सरकार ने मूंग और उड़द के समर्थन मूल्य पर खरीदी के इंतजाम किए हैं। दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है। देश में दूध उत्पादन में मध्य प्रदेश की भागीदारी अभी 09 प्रतिशत है इसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। किसानों को गाय भैंस पालन के लिए 25 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा। राज्य सरकार के समग्र प्रयासों से अब प्रति व्यक्ति आय 11 हजार रूपये से बढ़कर एक लाख 52 हजार रूपये हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार रक्षाबंधन पर लाड़ली बहनों को 250 रुपए की अतिरिक्त राशि देगी और अक्टूबर में दीवाली से लाड़ली बहनों को हर माह 1500 रुपए की राशि नियमित दी जाएगी। इस राशि को बढ़ाकर 3 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया जाएगा। गरीबों और जरूरतमंद की जान बचाने के लिए प्रदेश सरकार ने एयर एम्बुलेंस की सुविधा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि सभी पात्र लोग अपना आयुष्मान कार्ड बनवा लें, जिससे गंभीर बीमारी के समय जान बचाने के लिए उन्हें बड़े शहरों के अच्छे अस्पतालों में उपचार मिल सके। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर विमान या हेलीकॉप्टर से प्रदेश सरकार मरीजों को उपचार के लिए भी भेजती है। उन्होंने कहा कि अभी तक दुर्घटना में सड़कों पर घायलों को अस्पताल पहुंचने में लोग डरते थे अब सरकार ने राह-वीर योजना लागू की है। यदि कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाता है और उसकी जान बचाता है तो उसे 25 हजार रुपए का इनाम प्रदेश सरकार देगी।

शासकीय सेवकों के प्रमोशन होने के बाद 2 लाख पद होंगे रिक्त

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने शासकीय सेवकों के 9 सालों से रुके प्रमोशन के मामले को हल कर दिया है और अब अनुसूचित जाति, जनजाति और सामान्य वर्ग के शासकीय सेवकों के प्रमोशन का रास्ता साफ कर दिया है। प्रमोशन होने से 2 लाख पद रिक्त होंगे और इससे नए लोगों की भर्ती का अवसर मिलेगा। प्रदेश सरकार शासकीय सेवाओं में भर्ती में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देगी। आने वाले समय में लोकसभा और विधानसभा में भी महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

भगवान राम प्रदेश में जिन स्थानों से गुजरे थे उन स्थानों पर बनेंगे राम पथ गमन मार्ग

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने प्रदेश के 19 धार्मिक स्थलों पर शराब की बिक्री बंद कर दी है। प्रदेश में खुले में मांस की बिक्री प्रतिबंधित कर दी गई है। नगरीय क्षेत्र में गीता भवन बनाए जाएंगे। भगवान राम प्रदेश में जिन स्थानों से गुजरे थे उन पर राम पथ गमन मार्ग बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई की 100वींग जन्म शताब्दी के अवसर पर ग्वालियर में कैबिनेट की बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। संदीपनी स्कूलों में प्राइवेट स्कूलों के तर्ज पर पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव-गांव तक बस सेवा शुरू करने जा रही है इससे ग्रामीण जनता को आवागमन की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की कि बेड़ियां मिर्च मंडी के विकास के लिए 65 करोड़ रुपए की राशि दी जाएगी। इसी प्रकार खनगांव से खेड़ीखुर्द मार्ग पर 05 करोड़ रुपए की लागत से पुल निर्माण किया जाएगा। बांसवा से घोसला मार्ग पर सिड़कुई नदी पर 06 करोड़ रुपए के लागत से पुल बनाया जाएगा। भीकनगांव से झिरन्या तक सड़क निर्माण के लिए 38 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। बेड़ियां एवं बासवा बायपास निर्माण के लिए 21 करोड़ रुपए स्वीकृत किए जाएंगे। बेड़ियां के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन किया जाएगा और बड़वाह में 100 बिस्तर का अस्पताल बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के पश्चात एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में आम का पौधा लगाया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक श्री सचिन बिरला, श्री राजकुमार मेव, श्री बालकृष्ण पाटीदार, श्रीमती छाया मोरे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनु बाई तंवर, उपाध्यक्ष श्री बापू सिंह परिहार अन्य जनप्रतिनिधि, आधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पंचम सरसंघचालक, परम पूज्य के.एस. सुदर्शन जी की जयंती पर शत-शत नमन एवं सादर श्रद्धांजलि।
गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग तैयार करेगा निचले क्षेत्रों में डूबने वाले रपटों की रिपोर्ट

सीएस बोले- बाढ़ से बचाव के लिए तैयारी करें

न्यूज क्राइम फाइल

मानसून की पहली बारिश के साथ प्रदेश के कई जिलों में जल भराव और आपदा की स्थिति बनने के बीच मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा है कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ग्रामीण सड़कों के संबंध में ऐसे पुल पुलिया या रपटे जो पानी में डूबते हैं उनका चिह्नांकन करेगा। निचले क्षेत्रों, रपटों की पहचान कर बोर्ड लगाकर मार्किंग कराएं। बोर्ड लगाने के साथ-साथ बैरियर और एक व्यक्ति की नियुक्ति की जाए। इसके साथ ही संबंधित विभाग बांधों से पानी छोड़ने से प्रभावित क्षेत्रों और संबंधित विभागों की मैपिंग कर सूचना देने का काम करें। सीएस जैन ने कहा कि मानसून के मद्देनजर बाढ़ से निपटने को लेकर विभागवार अधिकारियों को जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उस जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के बाढ़ से प्रभावित जिले, पिछले तीन वर्षों की वर्षा के आंकड़े और आगामी मानसून काल 2025 के वर्षा संबंधित पूर्व अनुमानों की जानकारी से विभागों को अवगत कराय गया है। विभागीय अधिकारी उनको सौंपे गए दायित्वों संबंधी सभी आवश्यक कार्यवाही 25 जून तक पूर्ण करें। प्रमुख सचिव राजस्व विवेक पोरवाल ने बताया कि सभी विभागों को निर्देश भेज दिए गए हैं। आपदा प्रबंधन के लिए गृह विभाग नोडल विभाग है। अतिवर्षा और बाढ़ से बचाव एवं राहत कार्य की स्थिति में गृह विभाग एसडीईआरएफ, एनडीईआरएफ और सेना से समन्वय स्थापित करके आवश्यक कार्यवाही करता है। विभाग के प्रमुख दायित्व पुलिस और होमगार्ड के पास उपलब्ध मोटर बोट आदि बाढ़ बचाव सामग्रियों

को तैयार हालात में रखना पुलिस और होमगार्ड के जवानों को बाढ़ बचाव से संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण देना आदि शामिल है। राजस्व विभाग सभी कलेक्टर्स को बाढ़ पूर्व तैयारियों के संबंध में निर्देश और चेक लिस्ट जारी करेगा। चेक लिस्ट में आपदा संवेदनशील क्षेत्रों का आकलन, बाढ़ वाली नदियां, बड़े बांधों की सूची, बाढ़ के मुख्य कारण, पूर्व सूचना और प्रचार-प्रसार की प्रणाली, आपातकालीन कार्यवाहियों आदि के विषय में कार्यवाही करने के लिए सभी संभाग आयुक्तों और कलेक्टर्स को निदेश दिए गए।

पंचायत और ग्रामीण विकास करेगा निचले स्थानों की पहचान

■अतिवर्षा और बाढ़ से बचाव के संबंध में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को कहा गया है कि विभाग निचले स्थानों की पहचान करेगा। अतिवर्षा के कारण नदी-नाले उफान पर होने के कारण इसकी सूचना कंट्रोल रूम को देगा।

■मुख्य सचिव ने निर्देश दिए हैं कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ग्रामीण सड़कों के संबंध में ऐसे पुल-पुलिया या रपटे जो पानी में डूबते हैं उनका चिन्हांकन करेगा।

■निचले क्षेत्रों, रपटों की पहचान कर बोर्ड लगाकर मार्किंग कराएं।

■बोर्ड लगाने के साथ-साथ बैरियर और एक व्यक्ति की नियुक्ति की जाए।

■जल संसाधन विभाग को राज्य में स्थित सभी बांधों, तालाबों के तटबंधों की सुरक्षा की दृष्टि से निरीक्षण और वर्षा पूर्व आवश्यक मरम्मत नदियों के जल स्तर की निगरानी, बांधों के जल स्तर की निगरानी, पानी छोडने की जानकारी संकलित करना शामिल है।

■विभाग के द्वारा 15 जून से 15 अक्टूबर तक बाढ़ नियंत्रण कक्ष 24*7 संचालित किया जाएगा।

■बांधों के गेट खोलने और बाढ़ रोकने के लिए बेहतर जल प्रबंधन के दृष्टिगत अंतर्राज्यीय बैठकें भी आयोजित की जाती है।

सौजन्य भेंट

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास पर शुक्रवार को प्रदेश स्तरीय गौ-शाला सम्मेलन में गौमाता का पूजन और गौ पालकों का सम्मान किया।

भोपाल में कार से डॉग कुचलने का मामला

कोहेफिजा पुलिस से पशु प्रेमी बोले- एफआईआर दर्ज करो, धाराएं भी बताई

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के कोहेफिजा के शहीद नगर में कार से कुत्ते को कुचलने के मामले में पशु प्रेमी कार्रवाई की मांग को लेकर आगे आए हैं। थाना प्रभारी केजी शुक्ला ने पहले बताया था कि एक महिला ने कार्रवाई की मांग को लेकर आवेदन दिया था। बाद में महिला ने शिकायत वापस ले ली थी। वहीं गुरुवार को मामले में पीपुल्स फॉर एनीमल नाम का एनजीओ कुत्ते को कुचलने वाली महिला पर कार्रवाई की मांग को लेकर आगे आया है। एनजीओ की ओर से दिए आवेदन में पुलिस को किन धाराओं में मामला दर्ज करना चाहिए यह भी बताया गया है। हालांकि कोहेफिजा पुलिस पूरी घटना को हादसा बता रही है। पीपुल्स फॉर एनीमल

एनजीओ की स्वाति गौरव ने बताया कि हमने कोहेफिजा थाने के प्रभारी केजी शुक्ला को शिकायती आवेदन दिया है। इसमें बताया कि कार चला रही महिला ने जानकर कुत्ते को कुचला है। इसकी पुष्टि घटना के सीसीटीवी फुटेज में भी हो रही है। लिहाजा आरोपी महिला पर पशुक्रूरता अधिनियम सहित लापरवाही से वाहन चलाने की धाराओं में केस दर्ज करना चाहिए। एनजीओ ने सीसीटीवी फुटेज को एहम साक्ष्यों के तौर पर रखना चाहिए और कुत्ते को कुचलने वाली कार को जब्त कर चालक की गिरफ्तारी करना चाहिए।

राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आज मा. राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी से शिष्टाचार भेंट की। अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने हेतु हार्दिक आभार मा. राष्ट्रपति जी!
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

पहली बार सीएम हाउस में हुआ गोशाला सम्मेलन

सीएम बोले-बेसहारा गोवंश को गोशाला में पहुंचाएंगे, साल भर में बदलेगा परिदृश्य

न्यूज क्राइम फाइल

मुख्यमंत्री निवास में पहली बार गोशाला सम्मेलन का आयोजन हुआ। आज प्रदेश भर के सरकारी और निजी गौशालाओं के संचालक और साधु-संत भी सीएम हाउस पहुंचे। सम्मेलन में सीएम सहित तमाम अतिथियों को गोबर से बना राम दरबार भेंट किया गया। सम्मेलन में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, पशुपालन एवं डेयरी विकास मंत्री लखन पटेल, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, विधायक भगवानदास सबनानी, मेयर मालती राय, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, एसीएस अशोक वर्णवाल, पीएस उमाकांत उमराव मौजूद थे। सीएम ने गोवंश के व्यवस्थापन के लिए 90 करोड की राशि सिंगल क्लिक के जरिए ट्रांसफर की।

सीएम ने गौशालाओं को दिए पुरस्कार

सीएम ने आचार्य श्री विद्यासागर जीवदया सम्मान पुरस्कार संस्थागत और व्यक्तिगत श्रेणियों में दिए गए। पहला पुरस्कार(5 लाख)- सुरभि गोवंश सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण ओरछा जिला निवाड़ी को 5 लाख की राशि दी गई। एक हजार गौवंश का पालन यहां किया जा रहा है। संस्था गौ एंबुलेंस संचालित कर रही है।

द्वितीय पुरस्कार(3 लाख)- कपिला गोशाला रत्नाखेड़ी उज्जैन को तीन लाख का पुरस्कार दिया गया। गोशाला में 1824 गोवंश पालन किया जा रहा है।

तृतीय पुरस्कार(2 लाख)- जनजातीय कल्याण केन्द्र महाकौशल गो-सदन बरगांव, शहपुरा डिंडोरी को दो लाख रुपए का पुरस्कार दिया गया।

सांत्वना पुरस्कार (50,000)

रामरतन दास वैष्णव गोसेवा समिति करहधाम, धनेला मुरैना। श्री विद्यासागर गौरक्षा एवं संवर्धन समिति शिकारपुर, पन्ना। श्री बांके बिहारी शिक्षा एवं विकास समिति गो शाला शिवपुरी।

सीएम बोले- ये मुख्यमंत्री निवास गोपालकों का निवास

सीएम ने सम्मेलन में कहा- जिनके घर गाय वो गोपाल, यहां इतने सारे गाय वाले बैठे हैं। ये मुख्यमंत्री निवास भले ही है लेकिन, ये गोपालों का निवास है। आपके घर, गोशाला जहां भी गोमाता हैं ऐसा माना जाता है कि वो 33 करोड़ देवी-देवताओं का निवास होता है। हमें भले ही हमारी माता ने जन्म दिया हो लेकिन, हमारी अपनी मां की सीमा है। जहां से हमारी माता की सीमा समाप्त होती है, वहां से गोमाता की सीमा चालू होती है। इसलिए हमारे घर की पहली रोटी पर पहला हक गोमाता का होता है।

विभाग के नाम में गोपालन जोड़ा जाएगा

सम्मेलन में सीएम ने कहा- विभाग का नाम अभी पशुपालन एवं डेयरी विभाग है। जब हम गोमाता के लिए काम कर रहे हैं तो विभाग के नाम में पशुपालन के साथ गोपालन भी जोड़ा जाना चाहिए।

सीएम ने बताया सड़क पर क्यों बैठती हैं गाय

सीएम ने कहा हमारी सरकार लगातार बेसहारा गोवंश को गौशालाओं में आश्रय देने का प्रयास कर रही है। बारिश के दिनों में जो गोमाता सड़क पर बैठती हैं, उसको लेकर लोग न जाने क्या-क्या कहते हैं। जो घटनाएं घटती हैं कई बार गोमाता की मृत्यु हो जाती है। गोमाता भी हमारे समान संवेदनशील है। बरसात में मक्खी, मच्छर, कीड़े-मकोड़े गोमाता को गीली जगह में परेशान करते हैं। इसलिए गोमाता सूखी सड़क पर बैठती है। जो मक्खी, मच्छर बैठते हैं, उन्हें वह पूंछ से जितना हो सकता है, उतना भगाती है और बाकी जो वाहन गुजरते हैं उनकी हवा से मक्खी, मच्छर भाग जाते हैं। तो गोमाता को लगता है मेरे लिए ये पंखे चल रहे हैं। वो अपने कष्ट के निवारण के लिए सड़क पर बैठ रही है। ये हमारी कमजोरी है कि हमने उन्हें ऐसे छोड़ दिया है। हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि रोड पर बैठने वाली गोमाता को गोशाला में पहुंचाने का काम करेंगे।

30 गोशालाएं खोलने का प्रावधान किया

सीएम ने कहा- इसी बजट में 30 गोशालाएं खोलने बजट का प्रावधान किया है। 5 हजार क्षमता से बड़ी गोशाला खोलना चाहते हैं तो उसके लिए 40 रुपए प्रति गोमाता अनुदान, सवा सौ एकड़ जमीन देंगे। आप गोशाला में दूध उत्पादन होगा तो 30 प्रतिशत उसकी भी परमिशन देंगे। लेकिन, इस प्रदेश में किसी भी किसान के खेत पर या सड़क पर गोमाता घूमती दिखाई न दे। उसके लिए हम काम कर रहे हैं। एक साल के अंदर हम पूरे प्रदेश में पूरा परिदृश्य बदलने के लिए संकल्पित हैं।

जमीन विवाद में घर में घुसकर किसान परिवार को पीटा

नाबालिग के साथ अश्लीलता करने का आरोप

न्यूज क्राइम फाइल

मिसरोद इलाके में कान्हा फनसिटी के मालिक और कलोनाइज़र चेतन पाटीदार सहित उनके सहयोगियों पर पुलिस ने मारपीट की एफआईआर दो दिन पहले दर्ज की थी। इस मामले में अब बाल आयोग ने संज्ञान लिया है। जमीन नपती के दौरान हुए विवाद में चेतन और साथियों ने घर में घुसकर एक किसान परिवार को पीटा था। पीड़ित पक्ष ने इस दौरान नाबालिग के साथ झूमाझटकी कर अश्लीलता करने के आरोप लगाए थे। आयोग ने पुलिस आयुक्त को जांच के बाद कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। मारपीट की शिकायत दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर लगाई है। पुलिस के मुताबिक मिसरोद इलाके में किसान परिवार रहता है। यहीं कान्हा फनसिटी के मालिक चेतन पाटीदार और उनके रिश्तेदार रहते हैं। पिछले दिनों चेतन ने जमीन की नपती कराने के बाद पड़ोसी के पास दबी कुछ जमीन को अपने कब्जे में लिया था। पूरी कार्रवाई एसडीएम की मौजूदगी में की गई थी।

दोनों पक्षों की शिकायत पर मारपीट का केस दर्ज

दो दिन पहले चेन और बल्लू पाटीदार जमीन पर फैंसिंग कर रहे थे। इससे पास में रहने वाले एक परिवार को आपत्ति हुई। उन्होंने काम रोकने को कहा तो दोनों परिवारों में विवाद हो गया। दोनों और से लाठी और डंडों से एक दूसरे पर हमला किया गया। दोनों पक्षों की शिकायत पर मारपीट का काउंटर केस दर्ज किया था। तब छेड़छाड़ की बात नहीं बताई गई थी।

मोदी सरकार ने किया धरोहरों का पुनरुद्धार,
प्रमुख तीर्थस्थलों का किया जीर्णोद्धार.
वीडी शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष - भाजपा मप्र

आलेख

इजरायल-ईरान युद्ध में भारत निभा सकता है अहम भूमिका

रूस-यूक्रेन एवं इजरायल-हमास के बीच युद्ध अभी समाप्त भी नहीं हुआ है और तीसरे मोर्चे इजरायल-ईरान के बीच भी युद्ध प्रारम्भ हो गया है। हालांकि इस बीच भारत-पाकिस्तान के बीच भी युद्ध छिड़ गया था परंतु भारत की बड़े भाई की भूमिका के चलते इस युद्ध को शीघ्रता से समाप्त करने में सफलता मिल गई थी। दो देशों के बीच युद्ध में किसी एक देश का फायदा नहीं होकर बल्कि दोनों ही देशों का नुकसान ही होता है। परंतु, आवेश में आकर कई बार दो बड़े देश भी आपस में टकरा जाते हैं एवं इन दोनों देशों के पक्ष एवं विपक्ष में कुछ देश खड़े हो जाते हैं जिससे कुछ इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित हो जाती हैं कि विश्व युद्ध छिड़ जाते हैं। वर्ष 1914 से वर्ष 1918 के बीच प्रथम विश्व युद्ध एवं वर्ष 1939 से वर्ष 1945 के बीच द्वितीय विश्व युद्ध इसके उदाहरण हैं। इजरायल-ईरान के बीच हाल ही में प्रारम्भ हुए युद्ध में अमेरिका भी कूदने की तैयारी करता हुआ दिखाई दे रहा है। अगर ऐसा होता है तो बहुत सम्भव है कि ईरान की सहायता के लिए रूस एवं चीन भी इस युद्ध में कूद पड़ें एवं यह युद्ध तृतीय विश्व युद्ध का स्वरूप ले ले। ऐसा कहा जा रहा है कि इजरायल एवं अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन करवाना चाह रहे हैं ताकि ईरान में उनके हितों को साधने वाली सरकार स्थापित हो सके। वैश्विक स्तर पर आज परिस्थितियां बहुत सहज रूप से नहीं चल रही है। विभिन्न देशों के बीच विश्वास की कमी हो गई है जिसके चलते छोटे छोटे मुद्दों को तूल दी जाकर आपस में खटास पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। कुछ देश, दो देशों के बीच, इन मुद्दों को हवा देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। जैसे आतंकवाद के मुद्दे को ही लें, यदि ये देश आतंकवाद से स्वयं ग्रसित हैं तो इनके लिए आतंकवाद बुराई की जड़ है और यदि कोई अन्य देश आतंकवाद को लम्बे समय से झेल रहा है तो इन देशों के लिए आतंकवाद कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है। बल्कि, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को प्रोत्साहन दिया

जाता हुआ दिखाई दे रहा है। चौधरी बन रहे कुछ देश अपनी विस्तरवादी नीतियों के चलते कई देशों में अपने हित साधने वाली सरकारों की स्थापना करना चाह रहे हैं एवं इन देशों में इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित करने के प्रयास कर रहे हैं ताकि ये देश आपस में लड़ाई प्रारम्भ करें। रूस एवं यूक्रेन के बीच युद्ध इसका जीता जागता उदाहरण है । साथ ही, कुछ देशों की कथनी और करनी में पाए जाने वाले फर्क के चलते भी वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां बिगड़ रही हैं। चौधरी बन रहे देशों को तो उदाहरण पेश करते हुए अपनी कथनी एवं करनी में फर्क को समाप्त करना ही होगा। अन्यथा, वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां भयावह स्तर तक पहुंच सकती हैं।

चूंकि इजरायल भी आतंकवाद से पीड़ित देश है एवं इजरायल की सीमाएं चार मुस्लिम राष्ट्रों से जुड़ी हुई हैं; यथा, उत्तर में लेबनान, दक्षिण पश्चिम में ईजिप्ट (एवं गाजा), पूर्व में जॉर्डन (एवं वेस्ट बैंक) एवं उत्तर पूर्व में सीरिया। अत: इजरायल अत्यधिक आक्रात्मकता के साथ आतंकवादियों (हम्मास एवं हूती आदि संगठनों) से युद्ध करता रहता है। इस्लाम के अनुयायी यहूदियों के कट्टर दुश्मन हैं, इसके चलते भी इजरायल के नागरिकों को आतंकवाद को लम्बे समय से झेलना पड़ रहा है। ईरान के बारे में तो कहा जा रहा है कि ईरान स्थित लगभग 60 प्रतिशत मस्जिदों में इबादत के लिए कोई भी व्यक्ति पहुंच ही नहीं रहा है क्योंकि ईरान में एवं ईरान द्वारा पड़ोसी देशों में फैलाए गए आतंकवाद से ईरान के मूल नागरिक अत्यधिक परेशान हैं।

महिलाओं पर आतंकवादियों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों से स्थानीय नागरिक बहुत दुखी हैं। अत: अब वे अपने पुराने धर्म जोरोस्ट्रीयन को अपनाने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं अथवा इस्लाम धर्म का परित्याग करना चाह रहे हैं। जोरोस्ट्रीयन, ईरान का मूल धर्म हैं एवं यह अब ईरान के कुछ (बहुत कम) क्षेत्रों में सिमट कर रह गया है। भारत में भी जोरोस्ट्रीयन धर्म को मानने वाले पारसी समुदाय के कुछ नागरिक शांतिपूर्वक रह रहे हैं एवं भारत के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। वैश्विक स्तर पर निर्मित हो रही उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत की विशेष भूमिका रह सकती है क्योंकि भारत के इजरायल एवं ईरान दोनों ही देशों के साथ आर्थिक रिश्ते बहुत मजबूत हैं। भारत, ईरान से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदता रहा है एवं भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के निर्माण में भारी आर्थिक एवं तकनीकी सहायता प्रदान की है। चाबहार बंदरगाह का संचालन भी ईरान की सरकार के साथ भारतीय इंजीनियरों द्वारा ही किया जा रहा है। भारत और ईरान के बीच प्रतिवर्ष 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है। दूसरी ओर, इजरायल भारत का रणनीतिक साझीदार है।

भारत इजरायल से भारी मात्रा में सुरक्षा उपकरण भी खरीदता है। भारत और इजरायल के बीच प्रतिवर्ष 650 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है, इसमें भारत द्वारा इजरायल से आयात किये जाने वाले सुरक्षा उपकरणों की राशि शामिल नहीं है। कुल मिलाकर, भारत के इजराईल एवं ईरान, दोनों देशों के साथ बहुत पुराने व्यापारिक एवं सांस्कृतिक रिश्ते हैं। भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में वसुधैव कुटुम्बकम; सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय एवं सर्वे भवंतु सुखिनः की भावना पर विश्वास किया जाता है। अत: भारतीय नागरिक सामान्यत: शांत स्वभाव के होते है एवं पूरे विश्व में ही भ्रातत्व के भाव का संचार करते हैं। आज 4 करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विभिन्न देशों के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं।

संपादकीय

राहुल गांधी के मिशन बिहार को बड़ा झटका- अब कांग्रेस क्या करेगी?

कांग्रेस पार्टी को देशभर में मजबूत बनाने के अभियान में जुटे राहुल गांधी पिछले कुछ महीनों से लगातार बिहार का दौरा कर रहे हैं। वर्ष 2025 में वह अब तक कुल मिलाकर पांच बार बिहार का दौरा कर चुके हैं। अपने इन दौरे के दौरान कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिहार के दलित मतदाताओं, अन्य पिछड़ी जाति के लोगों और अत्यंत पिछड़ी जाति के लोगों के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं के साथ संवाद कर,उन्हें साधने की कोशिश की। पार्टी संगठन को धार और नई रफ्तार देने के लिए उन्होंने प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष से लेकर जिला अध्यक्षों तक को बदल दिया। जाहिर तौर पर, राहुल गांधी अपनी इन तमाम कोशिशों के जरिए बिहार में कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने की रणनीति पर ही काम कर रहे थे। इसका एक मकसद और भी था कि बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी विपक्षी इंडिया गठबंधन (महागठबंधन) में ज्यादा से ज्यादा सीटें हासिल कर सकें। लेकिन राहुल गांधी के इस %मिशन बिहार% को उनके अपने ही सहयोगी दल राष्ट्रीय जनता दल ने बड़ा झटका दे दिया है। लालू यादव के फॉर्मूले ने कांग्रेस पार्टी को बेचैन कर दिया है। कांग्रेस 2020 की तरह इस बार भी 70 विधानसभा सीटों पर ही चुनाव लड़ना चाहती है लेकिन राजद ने इतनी सीटें देने से साफ-साफ इनकार कर दिया है। यानी अब यह तय हो गया है कि विपक्षी महागठबंधन में कांग्रेस को इस बार 2020 की तरह 70 सीटें नहीं मिलेगी। गठबंधन और सीटों को लेकर होने वाली बैठकों की अध्यक्षता भले ही तेजस्वी यादव कर रहे हो लेकिन पर्दे के पीछे से सब कुछ लालू यादव ही तय कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, राजद ने यह साफ कर दिया है कि राजनीतिक दलों की संख्या और क्षमता के आधार पर गठबंधन में कांग्रेस को लगभग 53 सीटें ही मिल सकती है। बिहार में वर्ष 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के सबसे बड़े दल के तौर पर राजद 144 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जबकि कांग्रेस के खाते में 70 सीटें आई थी। सीपीआई-माले 19, सीपीआई 6 और सीपीएम 4 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ी थी। पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन के साथ चुनाव लड़ने वाले मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी भी इस बार विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है। एक तरफ जहां मुकेश सहनी की पार्टी को सीट बंटवारे में एडजस्ट करने की चुनौती है वहीं लेफ्ट फ्रंट के दल खासकर सीपीआई-माले सीट बढ़ाने की मांग को लेकर अड़ गया है। ऐसे में लालू यादव भी अपनी पार्टी के कोटे को घटाने पर तैयार हो गए हैं। लेकिन वो किसी भी कीमत पर 140 से कम पर जाने को तैयार नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, तेजस्वी यादव ने कांग्रेस के सामने जो पहला फॉर्मूला रखा है उसके तहत आरजेडी 144 की बजाय 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पिछली बार की तरह ही इस बार भी सीपीआई को 6 और सीपीएम को 4 सीटें ही दी जाएगी।

मोहन बाबू,
बाकी वादे कब पूरे होंगे ?
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

ट्रैफिक सिस्टम सुधारने के लिए सड़क पर उतरा अमला

भोपाल में महीने से एक जगह खड़े कार-ऑटो जब्त

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में ट्रैफिक सिस्टम सुधारने और अतिक्रमण हटाने को लेकर शुक्रवार को टीटी नगर इलाके में बड़ी कार्रवाई हुई। दोपहर तक पुलिस की मौजूदगी में नगर निगम और प्रशासनिक अमले ने एक ही जगह पर महीनों से खड़े 35 से ज्यादा ऑटो और कारें जब्त की। इस दौरान कुछ लोगों ने अफसरों से बहस भी की, लेकिन सख्ती के आगे उनकी एक न चली। एसडीएम अर्चना शर्मा ने बताया, कंडम गाड़ियों की वजह से सड़कें ब्लॉक हो गई थी। जगह-जगह ई-रिक्शा खड़े रहते हैं। इससे एक्सीडेंट भी होते हैं। एडीएम अंकुर मेश्राम की मौजूदगी में प्रशासन, पुलिस और नगर निगम ने यह संयुक्त कार्रवाई की।

कार्रवाई से पहले मुनादी कराई

एसडीएम शर्मा ने बताया कि कार्रवाई से पहले मुनादी भी कराई गई। ताकि, लोग अपने कंडम वाहन हटा लें, लेकिन कई लोगों ने गाड़ियां नहीं हटाई। ये गाड़ियां 4-5 महीने से एक ही जगह पर खड़ी हुई थी। एडीएम मेश्राम ने बताया कि यह संयुक्त कार्रवाई है, जो लगातार जारी रहेगी।

सभी एसडीएम करेंगे कार्रवाई

शुक्रवार को टीटी नगर इलाके में कार्रवाई हुई। ऐसी ही कार्रवाई कोलार, बैरसिया, एमपी नगर, शहर वृत्त, बैरागढ़ और हुजूर क्षेत्र में भी होगी। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सभी एसडीएम और तहसीलदारों से कार्रवाई को कहा है।

सांसद ने उठाया मुद्दा, मीटिंग की थी

भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने दो दिन पहले ही कंडम गाड़ियों और अतिक्रमण का मुद्दा उठाया था। सांसद शर्मा ने कहा कि ई-रिक्शा संचालन की कोई पॉलिसी नहीं होने की वजह से सड़कों पर जगह-जगह ई-रिक्शा खड़े हो जाते हैं। इनकी स्पीड धीमी होने की वजह से गाड़ियां नहीं निकल पाती है और सड़कों पर जाम की स्थिति बनती है। ख़ासतौर पर शहर के मुख्य मार्गों पर यातायात बाधित होने से लोगों को समय पर एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन पहुंचने में भी दिक्कत होती है। इसलिए ई-रिक्शा संचालन के लिए पॉलिसी बनाई जाएगी।

15 दिन तक चलेगा अभियान

सांसद की मीटिंग के बाद कलेक्टर सिंह ने सभी एसडीएम से कहा था कि वे अपने-अपने क्षेत्र में ट्रेंचिंग यार्ड बनकर कंडम वाहनों को सड़क से हटाएं। इसके लिए 20 जून से 15 दिन का अभियान चलाने की निर्देश दिए थे। यह कार्रवाई शुक्रवार से ही शुरू हो गई है। सांसद ने बताया कि फुटपाथ लोगों को चलने के लिए बनाए जाते हैं, जबकि इन पर सब्जी के ठेले, फल के ठेले और अन्य तरह के अतिक्रमण लोगों ने कर लिए हैं। यहां तक कि नगर निगम द्वारा बनाई गई नालियों के ऊपर भी अतिक्रमण कर लिया गया है। इन्हें हटाया जाना चाहिए। जिससे कि यातायात सुगम बने।

अतिक्रमण दस्ते का गठन

अतिक्रमण हटाने के लिए कलेक्टर के निर्देश पर अतिक्रमण दस्ता गठित किया जाएगा। जिसका प्रभारी एडीएम को बनाया जाएगा। पुलिस के एडिशनल डिप्टी कमिश्नर, नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर, अथवा डिप्टी कमिश्नर, संबंधित क्षेत्र के एसडीएम और पुलिस के एसीपी, थाना प्रभारी अतिक्रमण दस्ता में शामिल रहेंगे। इसके साथ ही दस्ते में मोबाइल कोर्ट और एक मजिस्ट्रेट भी शामिल होंगे। इसके लिए पॉलिसी तैयार की जा रही है।

पांचवीं-आठवीं का सप्लीमेंट्री रिजल्ट घोषित

न्यूज क्राइम फाइल

स्कूल शिक्षा विभाग ने कक्षा 5वीं और 8वीं की सप्लीमेंट्री के परीक्षा परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिया। इस बार 5वीं कक्षा में 79.63% और 8वीं में 74.98% छात्र-छात्राएं सफल हुए हैं। अशासकीय स्कूलों ने दोनों ही कक्षाओं में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि मदरसों का परिणाम सबसे कमजोर रहा। राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने बताया- छात्र, अभिभावक और शिक्षक परिणाम पोर्टल www.rskmp.in/result.asp& पर रोल नंबर दर्ज कर अपना रिजल्ट देख सकते हैं। साथ ही संस्था प्रमुखों को विद्यार्थी वार परिणाम भी उपलब्ध कराया गया है।

2 से 9 जून तक हुई थीं परीक्षाएं

बोर्ड पैटर्न पर आधारित यह पुन: परीक्षाएं 2 से 9 जून के बीच आयोजित की गई थीं। इनमें कक्षा 5वीं के 86,764 और 8वीं के 1,24,695 छात्र सम्मिलित हुए थे। मूल्यांकन के लिए 322 केंद्र बनाए गए थे और 22,000 से अधिक शिक्षकों ने ऑनलाइन अंकों की प्रविष्टि की।

कुल विद्यार्थी	86,764
उत्तीर्ण विद्यार्थी	69,086 (79.63%)
शासकीय स्कूल	76.98%
अशासकीय स्कूल	84.15% (सर्वश्रेष्ठ)
मदरसे	65.53% (न्यूनतम)

कक्षा 8वीं का परिणाम

कुल विद्यार्थी	1,24,695
उत्तीर्ण विद्यार्थी	93,500 (74.98%)
शासकीय स्कूल	72.31%
अशासकीय स्कूल	82.73%
मदरसे	62.43%

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441

website: www.newscrimefile.com

email: newscrimefile@yahoo.com

हमने संकल्प पत्र में लाड़ली बहनों को योजना के द्वारा 3 हजार रुपए देने का वादा किया था, हम उसे वर्ष 2028 तक डंके की चोट पर हर-हाल में पूर्ण करेंगे।
मोहन यादव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

एमपी में अब गांवों में भी बनेगा पासपोर्ट

विदेश मंत्रालय की मोबाइल वैन सेवा का शुभारंभ, पासपोर्ट केंद्र की सभी सुविधाएं आपके दरवाजे पर

न्यूज क्राइम फाइल

अब मध्यप्रदेश के ग्रामीण और दूर-दराज इलाकों में रहने वाले लोगों को पासपोर्ट बनवाने के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। विदेश मंत्रालय की 'मोबाइल पासपोर्ट सेवा वैन' का शुभारंभ शुक्रवार को अरेरा हिल्स स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय से हुआ। वैन के लोकार्पण समारोह में क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी शीतांशु चौरासिया ने फीता काटकर इसे रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि वैन का उद्देश्य उन क्षेत्रों में पासपोर्ट सेवा को पहुंचाना है, जहां अब तक पासपोर्ट सेवा केंद्र नहीं थे। यह मोबाइल यूनिट एक चलित पासपोर्ट सेवा केंद्र के रूप में पूरी तरह से कार्य करेगी।

ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग से होगी सुविधा आसान

वैन किस क्षेत्र में कब पहुंचेगी, इसकी सूचना स्थानीय प्रचार और डिजिटल माध्यमों से दी जाएगी। इसके लिए एक विशेष ऑनलाइन अपॉइंटमेंट स्लॉट बुकिंग सिस्टम बनाया गया है, जिससे इच्छुक आवेदक समय से पंजीकरण करा सकें। यह पहल विशेष रूप से उन लोगों के लिए लाभकारी है, जो शारीरिक, आर्थिक या पारिवारिक कारणों से पास के बड़े शहरों तक नहीं पहुंच पाते थे। अब उन्हें पासपोर्ट बनाने के लिए लंबा सफर तय नहीं करना होगा।

50 से अधिक आवेदकों ने कराए पंजीयन

मोबाइल वैन के उद्घाटन के दिन ही सेवा का प्रभाव नजर आया। 50 से ज्यादा लोगों ने आवेदन की प्रक्रिया पूरी की, जिनमें ग्रामीण क्षेत्रों के लोग और महिलाएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं। अधिकांश आवेदकों ने इसे घर तक आई सरकारी सेवा बताते हुए सराहा।

वैन में मिल रही हैं केंद्र जैसी सभी सुविधाएं

यह वैन आधुनिक तकनीक से लैस है। इसमें बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन, डॉक्यूमेंट स्कैनिंग, डिजिटल हस्ताक्षर, फोटो कैप्चर और ऑन-साइट वेरिफिकेशन की सभी व्यवस्थाएं मौजूद हैं। पासपोर्ट के लिए जरूरी सभी चरण इसी वैन में पूरे किए जा रहे हैं। शीतांशु चौरासिया ने बताया कि, इस वैन में वही प्रक्रिया अपनाई जाती है जो भोपाल स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्र में होती है। पूरा सेटअप वातानुकूलित है। फोटो से लेकर दस्तावेज़ सत्यापन तक की हर सुविधा यहीं मिलेगी।

सौजन्य भेंट

माँ के ममत्व को समर्पित एक हरित संकल्प

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा पचमढ़ी में भारतीय जनता पार्टी, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित तीन दिवसीय सांसद-विधायक प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम दिवस के अवसर पर, यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा प्रारंभ किए गए एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत अटल वाटिका में वृक्षारोपण कर इस पुनीत पहल में सहभागी बनने का सुअवसर प्राप्त हुआ।

17 दिन लेट हो गई भोपाल निगम की मीटिंग

न्यूज क्राइम फाइल

दो महीने के अंदर भोपाल नगर निगम परिषद की मीटिंग नहीं होने से विपक्ष की नाराजगी एक बार फिर देखने को मिली है। शुक्रवार को कांग्रेसी पार्षद भोपाल कमिश्नर संजीव सिंह के पास पहुंचे और बोले कि मीटिंग 2 महीने में होनी चाहिए थी, लेकिन 17 दिन ज्यादा बीत चुके हैं। इसलिए निगम आयुक्त को निर्देश दें कि खुद मीटिंग बुलाएं। ऐसा तीसरी बार हुआ है, जब कांग्रेस पार्षद निगम परिषद की मीटिंग के लिए कमिश्नर के पास पहुंचे हो। पिछली दो बैठकों के दौरान भी ऐसा हो चुका है। नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा कि निगम परिषद की मीटिंग 3 जून-25 को बुलाया जाना प्रस्तावित था, जो 20 जून तक नहीं बुलाई गई है।

बैठक की तारीख, एजेंडा नहीं आया

कांग्रेस पार्षद योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान ने कहा, अब तक न तो मीटिंग की तारीख तय हुई है और न ही कोई एजेंडा सामने आया है। यह नियमों का उल्लंघन है। बताया जाता है कि निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने भी नियमानुसार बैठक के लिए जिम्मेदारों से कहा है। इसके लिए लेटर भी भेजा जा चुका है।

जनहित के मुद्दों पर हो चर्चा

नेता प्रतिपक्ष जकी, पार्षद गुड्डू चौहान, प्रवीण सक्सेना, जितेंद्र सिंह राजपूत, लक्ष्मण राजपूत, अशोक मारण, रेहाना सुल्तान, रियाजउद्दीन समेत अन्य कांग्रेसी पार्षदों ने कमिश्नर से मिलकर बैठक में जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने की मांग उठाई। कांग्रेस पार्षदों ने कहा कि राजधानी में बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति बनती है। इस पर भी चर्चा की जाए।

मैं भुवनेश्वर में राज्य में भाजपा सरकार के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लूंगा। पिछले एक वर्ष में, लोगों के लिए सर्वांगीण शासन सुनिश्चित करने के लिए अनेक जन-हितैषी कदम उठाए गए हैं।
प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी लॉन्च, अब पटौदी के नाम पर मेडल देंगे

सचिन ने कहा- टाइगर ने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया; पटौदी ट्रॉफी रिटायरमेंट पर विवाद हुआ था

न्यूज क्राइम फाइल

करीब तीन हफ्ते तक चले विवाद के बाद ईसीबी और बीसीसीआई ने गुरुवार को तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी लॉन्च कर दी। इसी के साथ पटौदी ट्रॉफी को अधिकृत रूप से रिटायरकर दिया गया। दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड ने पटौदी परिवार के सम्मान में पटौदी मेडल देने का फैसला लिया है, जो इस सीरीज के विजेता कप्तान को दी जाएगी। 14 जून को अहमदाबाद प्लेन हादसे के बाद अनावरण स्थगित कर दिया गया था। इस मौके पर दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा- मुझे खुशी है कि उनके (टाइगर पटौदी) के सम्मान में एक पदक देने का फैसला किया गया है। पटौदी ट्रॉफी के रिटायरमेंट पर विवाद हो गया था। ऐसे में तेंदुलकर ने पटौदी की विरासत को कायम रखने की पहल की। इस बार भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के विजेता को एक नई ट्रॉफी दी जाएगी, जो सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन के नाम पर होगी। यह दोनों दिग्गज खिलाड़ियों के सम्मान में एक नई पहल है।

सचिन तेंदुलकर ने कहा-

मुझे जैसे ही पता चला कि भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज के लिए ट्रॉफी का नाम बदला जा रहा है। मैंने दिवंगत मंसूर अली खान पटौदी के परिवार से बात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि इस सीरीज से पूर्व कप्तान का जुड़ाव खत्म नहीं होगा। टाइगर पटौदी ने कई पीढ़ियों को प्रेरित करने में बड़ी भूमिका निभाई है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता।

जेम्स एंडरसन ने कहा-

सचिन और मेरे नाम पर इस प्रतिष्ठित श्रृंखला का नाम रखना मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व की बात है। हमारे दोनों देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता हमेशा से ही कुछ खास रही है, जो कभी नहीं भुलाने वाले पलों से भरी हुई है। तेंदुलकर-एंडरसन के नाम क्यों रखा गया नाम सचिन तेंदुलकर के नाम सबसे ज्यादा 200 टेस्ट मैच खेलना और सबसे ज्यादा 15,921 टेस्ट रन बनाने का रिकॉर्ड है। वहीं, जेम्स एंडरसन ने पिछले साल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। एंडरसन दूसरे सबसे ज्यादा 188 टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वे टेस्ट में तीसरे सबसे ज्यादा 704 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। 2007 में 75 साल पूरे होने पर पटौदी ट्रॉफी नाम दिया था पटौदी ट्रॉफी 2007 में भारत के 1932 में अपने पहले टेस्ट की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए अस्तित्व में आई थी। 21 साल की उम्र में पटौदी सबसे कम उम्र के भारतीय टेस्ट कप्तान बने थे। उनके पिता इफ्तिखार अली खान पटौदी ने इंग्लैंड और भारत दोनों का प्रतिनिधित्व किया था। लीड्स में 20 जून को खेला जाएगा पहला टेस्ट भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में शुरू होगा। अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के द ओवल में खेला जाएगा। भारत 2007 के बाद इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज नहीं जीत सका है। ऐसे में टीम की नजर सीरीज जीतने पर होगी।

आधार e-KYC नहीं तो अटक सकतें हैं पीएम-किसान के पैसे

जल्द जारी होगी 20वीं किस्त; 5 स्टेप्स में जाने घर बैठे ई-केवायसी करने का तरीका

न्यूज क्राइम फाइल

पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त जून के आखिरी हफ्ते या जुलाई की शुरुआत में आपके खाते में आ सकती है। लेकिन इस बार सरकार ने साफ कर दिया है कि जिन किसानों ने आधार e-KYC नहीं की है, उनका पैसा अटक सकता है।

आधार e-KYC क्यों जरूरी ?

सरकार चाहती है कि असली और पात्र किसानों को ही पीएम किसान सम्मान निधि योजना लाभ मिले, फर्जीवाड़ा रोकने के लिए आधार e-kyc अनिवार्य कर दी गई है। बिना e-kyc के आपका नाम लाभार्थी लिस्ट से कट सकता है और किस्त का पैसा अटक सकता है।

मोबाइल से घर बैठे ई-केवाईसी करने के 5 स्टेप्स

पीएम किसान की वेबसाइट या मोबाइल ऐप खोलें।

यहां e-kyc ऑप्शन पर क्लिक करें।

अपना आधार नंबर डालें।

आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर आए ओटीपी को डालें।

वेरिफिकेशन होते ही ई-केवाईसी पूरी।

मोबाइल से नहीं होने पर

अगर मोबाइल से नहीं हो रहा, तो नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर या राज्य सेवा केंद्र जाएं। वहां फिंगरप्रिंट से ई-केवाईसी करवा सकते हैं।

ई-केवाईसी होते ही 24 घंटे में स्टेटस अपडेट हो जाएगा।

24 फरवरी को जारी हुई थी 19वीं किस्त

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 फरवरी को पीएम-किसान योजना की 19वीं किस्त जारी की थी। इसके तहत 9.8 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 22,000 करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की गई थी।

किसानों में हर साल मिलते हैं 6 हजार रुपए

इस योजना के तहत छोटे और सीमांत किसानों को 2-2 हजार रुपए की तीन किस्तें, साल में (कुल 6000 रुपए)दी जाती हैं। इस योजना की शुरुआत 2019 में किसानों को आर्थिक मदद देने के लिए की गई थी।यह राशि लाभार्थियों के बैंक खातों जमा कर दी जाती है।

शौर्य, साहस व स्वाभिमान की प्रतिमूर्ति महान स्वाधीनता सेनानी रानी लक्ष्मीबाई जी के बलिदान दिवस पर उन्हें नमन करता हूँ।

केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

एमपी-राजस्थान में तस्करों की 91 करोड़ की संपत्ति जब्त

मंदसौर में सफेमा के तहत अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

न्यूज क्राइम फाइल

मादक पदार्थ तस्करों की कमाई पर मंदसौर पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मध्यप्रदेश और राजस्थान के कई जिलों में तस्करों और उनके परिजनों की करीब 91 करोड़ 58 लाख रुपए की अवैध संपत्तियां फ्रीज की हैं। इस कार्रवाई के दायरे में वे संपत्तियां आईं, जिन्हें तस्करों ने नशे के कारोबार से कमाई करके खरीदा था। इनमें जमीन, मकान, वाहन और अन्य चल-अचल संपत्तियां शामिल हैं।

30 मामलों में जांच, 26 मामलों में संपत्तियां जब्त

एसपी अभिषेक आनंद के निर्देशन में पुलिस ने साल 2025 में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज 30 मामलों की पड़ताल की। इनमें शामिल तस्करों और उनके परिवार की 134.76 करोड़ रुपए की संपत्ति की पहचान की गई। इनमें से 26 मामलों में संपत्ति फ्रीजिंग के आदेश अधिनियम (1976) के तहत पास हुए, जिनकी कुल राशि 91.58 करोड़ रुपए है। बाकी चार मामले मुंबई की स्पेशल कोर्ट में लंबित हैं, जिनमें जल्द फैसला आने की उम्मीद है।

18 आरोपी जेल में, 6 फरार तस्करों पर नया मामला दर्ज

जिन 26 मामलों में SAFEMA कोर्ट से कन्फर्मेशन मिला है, उनमें से 18 आरोपियों को 10 साल या उससे अधिक के लिए जेल भेजा गया है। इसके अलावा, एनडीपीएस एक्ट के तहत लंबे समय से फरार चल रहे 6 तस्कर दीपक मोड़, भरत पाटीदार, लियाकत खान, दिलीप पाटीदार, रामकिशन पाटीदार और जाकिर खान के खिलाफ BNS की धारा 209 में मामला दर्ज किया गया है।

तस्करों ने काली कमाई से घर, दुकान, वाहन खरीदे थे

मंदसौर पुलिस का कहना है कि हर तस्कर की संपत्ति की जांच व्यापक स्तर पर की जाती है। किस तस्कर ने कब, कितनी राशि से कहां संपत्ति खरीदी इसकी पुष्टि के बाद ही SAFEMA के तहत कार्रवाई आगे बढ़ाई जाती है। जांच में यह बात सामने आई कि कई तस्करों ने काली कमाई से घर, दुकान, खेत और वाहन खरीदे थे। संपत्तियों को लेकर जारी सूची में कई कुख्यात तस्कर शामिल हैं। जिनकी संपत्ति फ्रीज की गई। इनकी संपति

फ्रीज हुई है।

दशरथ चौधरी- 19.10 करोड़
ईश्वरलाल पाटीदार- 21.18 करोड़
उदय सिंह- 11.72 करोड़
महेंद्र डूक्षसह- 4.46 करोड़
रहमत अली अजमेरी- 4.43 करोड़
कय्यूम अजमेरी- 2.55 करोड़
ललित जेन- 2.63 लाख
अम्बालाल पाटीदार- 1.40 करोड़
दुर्गा शंकर पाटीदार- 1.60 करोड़
गोपाल पाटीदार- 1.19 करोड़
आज़ाद मंसूरी- 1.17 करोड़
कमल सिंह डांगी- 1.31 करोड़

इनके अलावा अन्य आरोपियों की संपत्तियां मिलाकर कुल राशि 91.58 करोड़ रुपए पहुंचती है। अधिकारियों के अनुसार, यह आंकड़ा जल्द ही 100 करोड़ के पार हो सकता है।

राजस्थान और एमपी के जिलों में फैली तस्करी की जड़ें

फ्रीज की गई संपत्तियां सिर्फ मंदसौर तक सीमित नहीं हैं। कार्रवाई का दायरा नीमच, रतलाम, और राजस्थान के प्रतापगढ़ व झालावाड़ जिलों तक फैला हुआ है। यह स्पेशल कानून के तहत एमपी और राजस्थान में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

मल्हारगढ़ क्षेत्र से 66 करोड़ की फ्रीजिंग

जनवरी से जून 2025 तक सबसे अधिक SAFEMA कार्रवाई मल्हारगढ़ विकासखंड के तीन थाने मल्हारगढ़, नारायणगढ़ और पिपलिया मंडी में हुई। सिर्फ इन तीन इलाकों से 65.97 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति फ्रीजिंग के आदेश स्पेशल कोर्ट से मिले हैं।

रिश्वत लेते गिरफ्तार सहकारी निरीक्षक को 7 साल की जेलः नरसिंहपुर कोर्ट ने 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया

न्यूज क्राइम फाइल

नरसिंहपुर की विशेष अदालत ने सहकारी निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह भाटी को रिश्वत मामले में दोषी करार दिया है। न्यायाधीश नीतिराज सिंह सिसौदिया ने भाटी को 7 साल की जेल और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। मामला जून 2020 का है। सेवा सहकारी समिति नांदनेर और गाडरवाड़ा के प्रबंधक मुलाम सिंह

पटेल ने लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें बताया गया कि मई 2020 में गेहूं खरीदी के बाद मजदूरी भुगतान के लिए प्रशासक भाटी ने 10 हजार रुपए रिश्वत मांगी थी। लोकायुक्त ने निरीक्षक स्वप्निल दास के नेतृत्व में ट्रैप टीम बनाई। शिकायतकर्ता को वॉयस रिकॉर्डर दिया गया। 17 जून 2020 को गाडरवारा मंडी प्रांगण में कार्रवाई की गई। भाटी को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया। जांच में आरोपी के हाथों और पैंट की जेब से फिनाफ्थलीन पाउडर मिला। आरोपी की आवाज का नमूना लिया गया। डीवीआर में रिकॉर्ड वार्तालाप का ट्रांस्क्रिप्ट तैयार किया गया। रासायनिक जांच के लिए नमूने एफएसएल सागर भेजे गए। कोर्ट ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7(ख) में 3 साल जेल और 5 हजार रुपए जुर्माना तथा धारा 13 (1) (ख) में 4 साल कठोर कारावास और 5 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में आयोजित प्रदेश के भाजपा सांसदों और विधायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र को आज संबोधित किया।

रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

इंस्टा पर दोस्ती के बाद ज्यादती, प्रेग्नेंट हुई तो गर्भपात की गोलियां खिलाई, आरोपी

नाबालिग रेप पीड़िता ने दिया बच्चे को जन्म

मोहित लोधी, आरोपी

न्यूज क्राइम फाइल

इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद 16 वर्षीय किशोरी से रेप और फिर जबरन गर्भपात कराने की कोशिश करने वाले 21 वर्षीय युवक को जबलपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मोहित लोधी जिले से फरार होने की फिराक में था, जिसे मझगंवा थाना पुलिस ने खेत में घेराबंदी कर पकड़ा। आरोपी के खिलाफ बलात्कार, अपहरण और पॉक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

2 साल पहले हुई थी दोस्ती, खेत में किया रेप

आरोपी मोहित लोधी और पीड़िता के बीच करीब दो साल पहले इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। सोशल मीडिया के जरिए बातचीत बढ़ी और फिर दोनों बाहर मिलने लगे। अक्टूबर 2024 में मोहित ने अपने जन्मदिन के बहाने किशोरी को मिलने बुलाया। खेत में केक काटने के बाद उसने किशोरी से कहा कि 'आज मेरा जन्मदिन है, थोड़ा घूमते हैं'। किशोरी को बाइक पर बिठाकर सुनसान खेत में ले गया और वहीं उसके साथ जबरदस्ती की। जब किशोरी ने घर जाने की बात कही तो आरोपी ने उसे रोकते हुए कहा – मेरी कसम है, यह बात किसी को मत बताना। फिर वह उसे गांव के बाहर छोड़कर चला गया। डर के कारण किशोरी ने यह बात किसी को नहीं बताई।

मेडिकल कॉलेज में हुआ प्रसव

किशोरी में गांव में पिता के साथ रहती है। उसकी मां शहर प्राइवेट जॉब करती हैं। 17 जून, मंगलवार रात किशोरी को पेट में तेज दर्द हुआ। पिता को शुरुआत में सामान्य दर्द लगा, लेकिन जब गांव की महिलाओं को बुलाकर दिखाया गया तो पता चला कि किशोरी गर्भवती है। तत्काल उसे सिहोरा स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। 18 जून को मेडिकल कॉलेज में किशोरी ने एक बच्ची को जन्म दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी। गढ़ा थाने से मामले को मझगंवा थाना भेजा गया।

जबरन खिलाई गर्भपात की गोलियां

पुलिस पूछताछ में किशोरी ने बताया कि रेप के बाद वह गर्भवती हो गई थी। जब मोहित को इसका पता चला तो उसने किशोरी से गर्भपात कराने को कहा। मना करने पर आरोपी ने जबरन उसे गर्भपात की गोलियां खिला दीं। लेकिन तीन माह से ज्यादा समय बीत जाने के कारण गोलियों का असर नहीं हुआ। बाद में आरोपी ने शादी का वादा किया और कहा कि किसी को मत बताना। लेकिन कुछ समय बाद उसने शादी से भी इनकार कर दिया। डर के कारण किशोरी ने यह बात किसी को नहीं बताई। लेकिन प्रसव पीड़ा के बाद जब परिजनों ने पूछा तो उसने पूरी सच्चाई बताई।

भागने की फिराक में था, पुलिस ने खेत से पकड़ा

किशोरी की शिकायत पर मझगवां थाना पुलिस ने तत्काल एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी मोहित लोधी जिले से भागने की कोशिश में है। घेराबंदी कर उसे उसके गांव के पास खेत से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि अक्टूबर माह में वह किशोरी के घर के बाहर गया था, कॉल कर बाहर बुलाया और बाइक पर बैठाकर गांव से बाहर एक सुनसान जगह पर ले गया। वहां एक झोपड़ी में किशोरी के साथ रेप किया।

पिता बोले- जहर खाकर मर जाओ, बेटे-बहू ने खा लिया

न्यूज क्राइम फाइल

विदिशा में दंपती ने जहर खा लिया। पति की मौत हो गई। पत्नी जिला अस्पताल में भर्ती है। उसका आरोप है कि ससुर आए दिन दहेज के लिए मारपीट करते थे। पति के घुटनों में पानी भरने की बीमारी थी, इलाज के लिए पैसे भी नहीं देते थे। इसलिए दोनों ने जहर खा लिया। घटना उनारसी कलां थाना क्षेत्र के चांदबर गांव की है। 11 महीने पहले विदिशा के राजकुमार अहिरवार की शादी अशोकनगर के बडका गांव की उमा बाई से हुई थी। उमा ने बताया, गुरुवार शाम को ससुर ने पति से हिसाब

मांगा और पैसों को लेकर विवाद किया। उन्होंने जहर खाकर मर जाने की बात कही। चप्पल से मारने की कोशिश भी की। इसके बाद रात करीब 8:30 बजे पति ने जहर खा लिया। इसके बाद पत्नी से कहा कि तेरा मेरे सिवा कौन है, तू भी जहर खा ले। दोनों को बेहोशी की हालत में गुना अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने राजकुमार को मृत घोषित कर दिया।

बेटे के जहर खाने के बाद बोले- नाटक कर रहा है

उमा ने बताया कि जहर खाने के बाद भी ससुर पति को कहने लगे कि नाटक कर रहा है। इलाज के लिए भी साथ नहीं आए। सास, ननद और जेठ दोनों को अस्पताल लेकर पहुंचे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

निजी अस्पताल में चल रहा था पति का इलाज

राजकुमार अहिरवार का परिवार खेती करता है। परिवार में पत्नी, माता-पिता, जेठ-जेठानी और एक ननद हैं। राजकुमार के घुटनों का इलाज कोटा के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। हर तीन महीने में पानी निकलवाना पड़ता था। बीमारी के कारण वह ठीक से चल-फिर नहीं पाता था। इसलिए कोई काम भी नहीं कर पाता था।

जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद। आपका हर संदेश, हर शब्द मेरे लिए बेहद खास है।
न्याय, बराबरी और मोहब्बत के रास्ते पर आपका साथ - मेरे हौसले की सबसे बड़ी ताक़त है।
नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

एमपी हाईकोर्ट ने कहा- वह निरक्षर, अच्छी शिक्षा नहीं मिली, इसलिए अपराध किया

रेपिस्ट को फांसी की सजा बदलकर 25 साल कारावास दिया

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने 4 साल की बच्ची के साथ रेप के दोषी को राहत दी है। हाईकोर्ट की जबलपुर बेंच ने उसकी फांसी की सजा को 25 साल की सजा में बदल दिया है। जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस देवनारायण मिश्रा की डिवीजन बेंच ने कहा, दोषी निरक्षर और आदिवासी है। बचपन में उसे अच्छी शिक्षा नहीं मिली, जिसके चलते उसने यह अपराध किया था। मामला खंडवा जिले में 30 और 31 अक्टूबर 2022 की दरमियानी रात का है। 4 साल की बच्ची अपने घर में सो रही थी। इसी दौरान परिजन उठे तो वह बिस्तर पर नहीं दिखी। तलाश करने पर बच्ची घर के पास बने आम के बगीचे में मरणासन्न हालत में मिली। खंडवा में प्राथमिक उपचार के बाद उसे इंदौर रेफर किया गया था। पुलिस ने आरोपी राजकुमार को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। अप्रैल 2023 में ट्रायल कोर्ट ने बच्ची के साथ रेप और हत्या के प्रयास के आरोप को सही पाते हुए उसे फांसी की सजा सुनाई थी।

बच्ची का गला घोंटा, मरा समझकर झाड़ियों में फेंका था

राजकुमार (20) खालवा का रहने वाला है। वह जसवाड़ी रोड पर राजपूत ढाबे में काम करता था। ढाबे के पीछे बने खेत में आदिवासी परिवार रहता था। घटना वाले दिन चार साल की बच्ची परिवार के साथ खेत में बनी झोपड़ी में सो रही थी। राजकुमार उसे उठाकर सुनसान इलाके में ले गया। रेप किया। इसके बाद हत्या की नीयत से बच्ची का गला घोंटा। बेहोश होने पर उसे मरा समझकर घर से डेढ़ किलोमीटर दूर झाड़ियों में फेंक दिया।

झाड़ियों में बेहोश मिली मासूम, मुश्किल से बची जान

उधर, परिजन की रिपोर्ट पर पुलिस ने बच्ची की तलाश शुरू की। अगली सुबह पुलिसकर्मी स्निफर डॉग के साथ परिवार की झोपड़ी पर पहुंचे। यहां डॉग राजपूत ढाबे पर जाकर रुक गया। पुलिस ने स्टाफ से पूछताछ की। पता लगा कि राजुकमार रात से गायब है। पुलिस का शक गहराया। राजकुमार के मोबाइल को सर्विलांस पर डाला गया। लोकेशन पता लगते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसने बताया कि रेप के बाद बच्ची को मारकर फेंक दिया है। पुलिस ने उसकी बताई लोकेशन से बच्ची को ढूंढ निकाला। सांसें चलती देख उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से इंदौर रेफर किया गया, जहां लंबे इलाज के बाद उसकी जान बच सकी।

बचाव पक्ष की दलील- डीएनए रिपोर्ट के अलावा कोई सबूत नहीं

ट्रायल कोर्ट में बचाव पक्ष ने दलील दी कि डीएनए रिपोर्ट के अलावा पुलिस के पास कोई भी सबूत नहीं है। एक भी प्रत्यक्षदर्शी या कोई सबूत पुलिस को नहीं मिला है। वहीं, पुलिस ने बताया कि डीएनए रिपोर्ट वैज्ञानिक साक्ष्य है, जिससे यह साबित हुआ है कि बच्ची के साथ दुष्कर्म किया गया था और बाद में उसकी हत्या का प्रयास भी किया गया। इसे सही मानते हुए ट्रायल कोर्ट ने राजकुमार को फांसी की सजा सुनाई थी।

हाईकोर्ट ने कहा- क्रूर कृत्य लेकिन फांसी की सजा उचित नहीं

ट्रायल कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ राजकुमार ने हाईकोर्ट में अपील की। जिस पर सुनवाई करते हुए डिवीजन बेंच ने गुरुवार को कहा- 4 साल की मासूम से रेप और फिर गला घोंटकर उसकी हत्या का प्रयास करना क्रूर कृत्य है। लेकिन युवक की पारिवारिक पृष्ठभूमि को देखते हुए फांसी की सजा उचित नहीं है। गलत संगत के चलते उसने यह घिनौना कृत्य किया।

जमानत पर छूटे रेप के आरोपी की हत्याः राजगढ़ में पीड़िता के पति ने डेढ़ लाख में दी सुपारी; जहर पिलाया, गला घोंटा

न्यूज क्राइम फाइल

राजगढ़ में 9 जून को खेत में संदिग्ध हालत में युवक की मौत के मामले में गुरुवार को पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। युवक की हत्या चार साल पुराने रेप केस से जुड़ी रंजिश में की गई। युवक पर एक महिला ने रेप का केस दर्ज कराया था। वह चार महीने जेल में रहा और फिर जमानत पर बाहर आया। इसके बाद पीड़ित महिला के पति ने उसकी हत्या की साजिश रची। उन्होंने डेढ़ लाख रुपए में उसकी हत्या की सुपारी दी। आरोपियों ने उसे खेत में जबरन जहरीली दवाई पिलाई। विरोध करने पर गला घोंटकर मार डाला।

रेप पीड़िता समेत 8 लोगों को किया गिरफ्तार

एसपी अमित तोलानी ने बताया कि पुलिस ने हत्या की साजिश रचने से लेकर उसे अंजाम देने वाले 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मृतक की पहचान भूरालाल तंवर

के रूप में हुई। पीड़िता के पति ने हत्या के लिए बीरम राव और उसके तीन बेटे दिनेश, राजेश और महेश को डेढ़ लाख रुपए में सुपारी दी। 9 जून को माखन तंवर नामक युवक को 10 हजार देकर भूरालाल को खेत की ओर बुलवाया गया। पुलिस ने रेप पीड़िता के पति, माखन तंवर, चंदालाल, सौरमबाई, बीरम राव और उसके तीनों बेटों को गिरफ्तार किया है। सभी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

शव खेत में पड़ा मिला था, बाइक से हुई पहचान

गौरतलब है कि 10 जून को भोजपुर थाना क्षेत्र के रेलवे स्टेशन के पास एक खेत में युवक का सड़ा-गला शव मिला था। बाइक नंबर के आधार पर उसकी पहचान झालावाड़ (राजस्थान) निवासी भूरालाल तंवर (28) के रूप में हुई थी। वह अकेला रहता था और हलवाई का काम करता था। पुलिस ने सीडीआर, मोबाइल लोकेशन और पूछताछ के जरिए पूरे मामले की परतें खोलीं।

सगाई टूटने के विवाद में हत्या का आरोप

भूरालाल के बड़े भाई कंवरलाल तंवर ने बताया कि उसकी बचपन में ही सगाई कर दी गई थी। पांच साल पहले एक महिला की शिकायत पर भूरालाल जेल गया था, जहां से चार माह बाद जमानत पर छूटा। इसके बाद लड़की पक्ष शादी के लिए तैयार नहीं हुआ। पिछले पांच वर्षों में इस विवाद को सुलझाने के लिए कई बार पंचायत बुलाई गई। कंवरलाल के अनुसार 9 जून की रात भूरालाल घर पर कूलर चलाकर सो रहा था। तभी उसका दोस्त माखन उसे पार्टी के लिए बुलाकर ले गया। दो दिन बाद उसकी लाश मिली। परिजनों का आरोप है कि जिस महिला ने भूरालाल पर पहले आरोप लगाया था, उसने अपने पति और लड़की के परिजनों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची और सुपारी दी।

भोजपुर थाने शिकायत करेंगे परिजन

परिजन भोजपुर थाने में उक्त महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने जा रहे हैं। उनका कहना है कि पुलिस ने महिला को आरोपी नहीं बनाया है। कार्रवाई न होने पर वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करेंगे।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत में स्टार्टअप संस्कृति ने अभूतपूर्व गति प्राप्त की है।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

भोपाल आ रही थी ट्रेन, झांसी में किया हमला

वंदे भारत में सीट नहीं बदली तो विधायक ने पिटवाया

न्यूज क्राइम फाइल

दिल्ली से भोपाल आ रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के एक्जीक्यूटिव कोच में सवार एक यात्री के साथ झांसी रेलवे स्टेशन पर 7-8 लोगों ने मारपीट की। मारपीट का आरोप यूपी के झांसी के बबीना से भाजपा विधायक राजीव सिंह के समर्थकों पर लगा है। ट्रेन में सवार यात्रियों ने बताया कि झांसी जिले की बबीना विधानसभा से भाजपा विधायक राजीव सिंह वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच श्व-2 में पत्नी और बेटे के साथ दिल्ली से सवार हुए थे। राजीव सिंह का सीट नंबर 8 था जबकि उनकी पत्नी कमली सिंह का सीट नंबर 50 और बेटे श्रेयांश सिंह का नंबर 51 था। 49 नंबर की विंडो सीट पर राज प्रकाश नाम के यात्री बैठे हुए थे। विधायक ने उनसे कहा कि तुम मेरी 8 नंबर की सीट पर चले जाओ। राज प्रकाश ने सीट बदलने से मना कर दिया। इसके बाद जैसे ही ट्रेन झांसी रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो ट्रेन के कोच में 7 से 8 लोग आए और 49 नंबर की सीट पर बैठे राज प्रकाश के साथ जमकर मारपीट की। लात-घूंसे से पीटा। उनकी नाक में फ्रैक्चर भी हो गया है।

पूर्व मंत्री रावत ने सुरक्षा पर उठाए सवाल

जिस वक्त ट्रेन में मारपीट हुई, उस वक्त पूर्व मंत्री रामनिवास रावत भी उसी कोच में सवार थे। पूर्व मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर घटना के बारे में लिखा- वंदे भारत (20172 दिल्ली से भोपाल) में एक्जीक्यूटिव क्लास (E2) में सीट नंबर 49 पर बैठे एक व्यक्ति के साथ 7-8 बाहर से आए लोगों ने पूरे कोच के यात्रियों के सामने मारपीट की। घायल व्यक्ति के नाक, मुंह, कान से खून बहने लगा। इन लोगों का साथ पुलिस के कुछ लोग भी दे रहे थे।

रावत ने आगे लिखा-

वंदे भारत जैसी ट्रेन में ये स्थिति है तो आम ट्रेनों में यात्रियों का क्या हाल होगा? इस तरह की घटनाएं यात्रियों को भयभीत करने का काम करती है। माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी से आग्रह है कि इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

दहशत में नजर आए पीड़ित यात्री राज प्रकाश

ट्रेन जैसे ही रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पहुंची, दैनिक भास्कर ने मारपीट के पीड़ित यात्री राज प्रकाश से बात करने की कोशिश की। वे इतने डरे हुए थे कि उन्होंने बात करने से मना कर दिया। बस इतना कहा- मैं पुलिस में शिकायत कर रहा हूं।

विधायक बोले- उन्होंने गलत व्यवहार किया

वहीं, बीजेपी विधायक राजीव सिंह ने वीडियो जारी कर बताया- कोच में सीट नंबर 49 और 52 पर बैठे दोनों यात्री आपत्तिजनक स्थिति में पैर फैलाए थे। वे भोजन कर रहे थे। मैंने उनसे ठीक से बैठने को कहा, ताकि मेरी पत्नी और अन्य यात्रियों को आने-जाने में असुविधा न हो, तो वे मुझसे बहस करने लगे। उन्होंने अशोभनीय भाषा का प्रयोग किया। उनका व्यवहार असहज करने वाला था। मामला शांत करने के लिए मैं कोच की गैलरी में आ गया। इससे उन्हें लगा कि मैं फोन लगाकर उनकी शिकायत कर रहा हूं। वे दोनों बाहर आकर मुझसे बहस करने लगे। इससे न केवल मेरी यात्रा बाधित हुई, बल्कि मुझे और मेरे परिवार को मानसिक तनाव का भी सामना करना पड़ा। राजीव सिंह ने झांसी जीआरपी थाने में दो यात्रियों के खिलाफ एनसीआर भी दर्ज कराई है। एनसीआर यानी गैर-संज्ञेय रिपोर्ट तब दर्ज की जाती है, जब कोई मामूली अपराध होता है। जैसे कि गाली-गलौज, मामूली झगड़ा या दस्तावेज खो जाना। एनसीआर दर्ज करने का मतलब है कि पुलिस बिना वारंट के आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकती और न ही मामले की जांच शुरू कर सकती है, जब तक कि अदालत से अनुमति न मिल जाए।

कंपार्टमेंट में बच्चे और महिलाएं सब घबरा गए

कीर्ति नाम की यात्री घटना के वक्त कोच में मौजूद थी। उन्होंने दैनिक भास्कर को बताया- हमने देखा कि 15 से 20 लोग झांसी स्टेशन से ट्रेन में चढ़े। 49 नंबर सीट पर राज प्रकाश जी बैठे हुए थे। उनके ऊपर उन लोगों ने लात-घूंसे, चप्पल जो उनको समझ में आया वह उन्होंने चलाया। उनके नाक में फ्रैक्चर हुआ है। वह खून से लथपथ हो गए थे। कीर्ति ने कहा कि ऐसी प्रीमियम गाड़ियों में, जिसको प्रधानमंत्री जी प्रमोट करते हैं, वंदे भारत जैसी गाड़ियों में एग्जीक्युटिव कंपार्टमेंट में चलकर 15-20 गुंडे किसी यात्री को मारे यह सभी की सिक्योरिटी पर बड़ा सवाल है। इस घटना के दौरान बच्चे थे, महिलाएं थी, सब लोग घबरा गए थे। पूरा कंपार्टमेंट घबरा गया था कि यह अचानक हो क्या रहा है। कीर्ति ने कहा कि जिस किसी ने यह किया है उस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। विधायक हो या कोई भी हो।

पुलिसवालों की मौजूदगी में हुई यात्री से मारपीट

एक दूसरे यात्री ने कहा- यह बहुत गलत है। तीन-चार पुलिस वाले थे, जब पुलिस ही मिली हुई है तो हम किस हेल्प की बात करेंगे। पुलिस की मौजूदगी में मारपीट हुई है। उसके बाद पुलिस अनजान हो गई। फिर रेलवे की पुलिस आई। वह दूसरी तरफ से आए। उस टाइम पुलिस विभाग के तीन चार लोग थे, जिनके सामने यह मारपीट हुई है। ट्रेन में हुई मारपीट के बाद यात्रियों में दहशत फैल गई।

पति पर बंधक बनाकर बलात्कार के आरोप लगाए

न्यूज क्राइम फाइल

छिंदवाड़ा जिले में गुरुवार को गुलाबी गैंग की कमांडर पूर्णिमा वर्मा द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इसमें एक युवती को 13 दिनों तक बंधक बनाकर उसके साथ बलात्कार करने का आरोप लगाते हुए सात लोगों के नाम सार्वजनिक किए। साथ ही पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए कि अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस मामले में सामने आया है कि युवती ने अपनी खुशी से ही शादी की थी। उसने बताया कि मां ने रुपयों के लालच में आकर झूठे आरोप लगवाए। अब गुलाबी गैंग की कमांडर और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के अध्यक्ष देव रावेन भलावी पर कार्रवाई की जाएगी। दरअसल यह पूरा मामला जब पुलिस अधीक्षक अजय पांडे को पता चला। उन्होंने तत्काल देहात थाना निरीक्षक जीएस राजपूत को जांच करने कहा। इसके बाद पुलिस की टीम ने मात्र 24 घंटे में जांच कर इस पूरे प्रकरण की सच्चाई सामने आई।

आरोप के बाद शादी के फोटो-वीडियो मिले

जांच में पता चला कि जिस युवती को कथित रूप से बंधक बनाकर बलात्कार करने का आरोप लगाया गया था, उसने खुद शहर के षष्ठी माता मंदिर में सुनील कंटक नामक युवक से विवाह किया था। पुलिस ने शादी की फोटो और वीडियो भी बरामद किए हैं। इस दौरान युवती बेहद खुश नजर आ रही थी। विवाह कराने वाले पंडित ने भी पुलिस को पुष्टि करते हुए कहा कि यह शादी आपसी सहमति से हुई थी, युवती की ओर से किसी भी प्रकार की जबरदस्ती या प्रतिरोध का संकेत नहीं मिला। उनके साथ कुछ और लोग भी मौजूद थे।

बोली- मां ने रुपए लेकर झूठी रिपोर्ट कराई

सबसे बड़ी बात यह रही कि युवती ने खुद बयान दिया कि उस पर लगाए गए आरोप झूठे हैं। उसने कहा मैंने अपनी मर्जी से सुनील से शादी की है। मेरी मां ने रुपए के लालच में थाने में झूठी रिपोर्ट दर्ज करवाई। मुझे खुद थाने लेकर गई थी।

बिना खेत में जाए किसानी नहीं हो सकती। आज मैंने अपने खेत पहुंचकर शिमला मिर्च के लिए मशीन से मल्चिंग का काम किया।खेती का आनंद अद्भुत है। जब मेहनत से बोया हुआ बीज पौधा बनकर फलता है, तो लगता है कि जीवन सार्थक हो गया है।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

लालटेन-पंजे वाले कहते हैं परिवार का साथ, परिवार का विकास

आरजेडी बाबा साहेब को पैरों में रखती है, मैं दिल में रखता हूं: नरेन्द्र मोदी

संदीप कुमार सिंह

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सीवान के जसौली में सभा को संबोधित किया। 35 मिनट के भाषण में पीएम ने आरजेडी और कांग्रेस को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि पंजे और लालटेन के शिकंजे ने बिहार को पलायन का प्रतीक बना दिया था। आपने मिलकर बिहार में जंगलराज का सफाया किया है। नौजवानों ने बिहार की बदहाली के सिर्फ किस्से और कहानी सुनी हैं। उन्हें अंदाजा नहीं है जंगलराज वालों ने बिहार की क्या हालत बना दी थी। पीएम ने कहा कि आरजेडी बाबा साहेब को अपने पैरों में रखती है। मोदी उन्हें अपने दिल में रखता है। आरजेडी और कांग्रेस बिहार और निवेश विरोधी हैं। पीएम ने करीब 10 हजार करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। पाटलिपुत्र- गोरखपुर वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई।

आरजेडी-कांग्रेस पर बरसे पीएम मोदी

अंबेडकर का अपमान किया- आरजेडी वालों ने बाबा साहेब की तस्वीर के साथ क्या किया था। बिहार में पोस्टर लगे हैं। माफी मांगों, लेकिन ये लोग कभी माफी नहीं मांगेंगे। इनके अंदर दलित और अति पिछड़ों के लिए कोई सम्मान नहीं है। आरजेडी बाबा साहेब को अपने पैरों में रखती है। मोदी उन्हें अपने दिल में रखता है। सीवान को पिछड़ा कहा, अब अफ्रीका जा रहा इंजन- आज पहला इंजन अफ्रीका को एक्सपोर्ट किया जा रहा है। अफ्रीका में भी बिहार की जय-जयकार होने वाली है। मढ़ौरा में इसकी फैक्ट्री है। ये फैक्ट्री उसी जिले में बनी है जिसे आरजेडी और कांग्रेस वालों ने पिछड़ा कहकर अपने हाल पर छोड़ दिया था। जंगलराज वालों ने बिहार का विकास इंजन ठप कर दिया। अब बिहार में बना इंजन अफ्रीका की रेल चलाएगा। इन लोगों के कारनामे बिहार विरोधी हैं- आरजेडी -कांग्रेस के कारनामे बिहार विरोधी हैं। निवेश विरोधी हैं। अपने मुंह से ये लोग विकास की बात करते हैं तो लोगों को दुकान, मकान सब जगह ताले लटकते दिखाई देते हैं। ये लोग बिहार में माफिया राज, गुंडा, राज और भ्रष्टाचार के पोषक रहे हैं। नौजवानों ने बदहाली के किस्से सुने होंगे- मेरे इस विश्वास का कारण बिहार के आप सभी लोगों का सामर्थ्य है। आपने मिलकर बिहार से जंगलराज का सफाया किया है। यहां के हमारे नौजवानों ने तो 20 साल पहले के बिहार की बदहाली सिर्फ किस्सों और कथाओं में ही सुनी है। उन्हें अंदाजा ही नहीं है कि जंगलराज वालों ने बिहार की क्या हालत बना दी थी। जिस बिहार ने सदियों तक भारत की प्रगति को नेतृत्व दिया। उसको पंजे और लालटेन के शिकंजे ने पलायन का प्रतीक बना दिया था।

मोदी चुप रहने वाला नहीं है

मोदी बोले- मैं जब आप लोगों के बीच से आ रहा था, अभी कल ही बारिश हुई, सुबह भी थोड़ी बारिश हुई, इसके बावजूद भी इतनी बड़ी मात्रा में आपका आना हमें आशीर्वाद देना, मैं आपका हृदय से जितना धन्यवाद करूं, उतना कम है। भाइयों-बहनों जैसे आप सब जानते हैं, मैं कल ही विदेश से लौटा हूं। इस दौर में मेरी दुनिया के बड़े-बड़े समृद्ध देशों के नेताओं से बात हुई। सारे नेता भारत की तेज प्रगति से बहुत प्रभावित हैं। वो भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनते देख रहे हैं, और निश्चत तौर पर बिहार की बहुत बड़ी भूमिका होने वाली है। बिहार समृद्ध होगा और देश की समृद्धि में भी बड़ी भूमिका निभाएगा। मैं बिहार वासियों को विश्वास देने आया हूं कि, हमने बहुत कुछ किया है, लेकिन इतने से शांत होकर चुप रहने वाला मोदी नहीं है। अब बहुत कर लिया, जी नहीं। मुझे तो बिहार के लिए और भी बहुत कुछ करना है।आपके लिए करना है। यहां के गांव-गांव के लिए करना है। यहां के घर-घर के लिए करना है। यहां के हर नौजवान के लिए करना है।

केंद्र बोला- जांच जारी है; अमेरिका भेजे जाने की खबरें चली थीं

ब्लैक बॉक्स विदेश भेजे जाने पर अभी कोई फैसला नहीं

न्यूज क्राइम फाइल

अहमदाबाद में 12 जून को क्रैश हुए एअर इंडिया विमान का ब्लैक बॉक्स जांच के लिए अभी विदेश नहीं भेजा गया है। केंद्र सरकार ने इसको लेकर बयान जारी किया है। केंद्र ने गुरुवार को कहा कि प्लेन के ब्लैक बॉक्स को कहां भेजा जाएगा, इसका फैसला एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो करेगा। यह फैसला सभी तकनीकी, सुरक्षा और गोपनीय पहलुओं को ध्यान में रखकर लिया जाएगा। फिलहाल जांच जारी है। इसके अलावा गृह सचिव के नेतृत्व में हाई लेवल कमेटी भी हादसे की जांच कर रही है, जो तीन महीने में रिपोर्ट देगी। केंद्र ने बताया कि प्लेन से दो ब्लैक बॉक्स सेट मिले हैं। पहला सेट 13 जून को और दूसरा 16 जून को बरामद किया गया। यह मॉडल दो ब्लैक बॉक्स सेट के साथ आता है। दरअसल, अहमदाबाद में 12 जून को लंदन जाने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट ए-171 उड़ान

भरने के तुरंत बाद क्रैश हो गई थी। इसमें सवार 241 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक यात्री की जान बच गई थी। वहीं, इस घटना में कुल 270 लोग मारे गए थे। एयर इंडिया बोली- विमान अच्छी तरह मेंटेन था एयर इंडिया के ष्टश्वह्म कैम्पबेल विल्सन ने कहा कि दुर्घटनाग्रस्त ड्रीमलाइनर विमान पूरी तरह ठीक था। इसका आखिरी बड़ा चेक जून 2023 में हुआ था और अगला दिसंबर 2025 में तय था। उन्होंने बताया कि दाएं इंजन की ओवरहॉलिंग मार्च 2025 में और बाएं इंजन की जांच अप्रैल 2025 में की गई थी। इसे ब्लैक बॉक्स क्यों कहते हैं %ब्लैक बॉक्स% नाम को लेकर कई बातें कही जाती हैं। एक मान्यता है कि पहले इसके अंदर का हिस्सा काला होता था, इसलिए इसे यह नाम मिला। दूसरी राय यह है कि हादसे के बाद आग से जलकर इसका रंग काला हो जाता है, इसलिए लोग इसे ब्लैक बॉक्स कहने लगे। ब्लैक बॉक्स नाम को लेकर कई बातें कही जाती हैं। एक मान्यता है कि पहले इसके अंदर का हिस्सा काला होता था, इसलिए इसे यह नाम मिला। दूसरी राय यह है कि हादसे के बाद आग से जलकर इसका रंग काला हो जाता है, इसलिए लोग इसे ब्लैक बॉक्स कहने लगे। ब्लैक बॉक्स दिखता कैसा है? ब्लैक बॉक्स असल में ओरेंज रंग का होता है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623